पेट्रोलियम कम्पनियों के साथ 30,530 करोड़ के एमओयू

जयपुर, 9 सितम्बर। मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे एवं केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान की उपस्थिति में बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में नवम्बर माह में आयोजित होने वाली रिसर्जेंट राजस्थान पार्टनरशिप समिट, 2015 के तहत 30,530 करोड़ रुपए के 9 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

राज्य सरकार की ओर से प्रमुख शासन सचिव, खान एवं पेट्रोलियम, श्री अशोक सिंघवी ने पेट्रोलियम क्षेत्र की सार्वजनिक, बहुराष्ट्रीय एवं निजी कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ इन एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर राजस्थान के खान एवं पेट्रोलियम राज्य मंत्री श्री राजकुमार रिणवा एवं मुख्य सचिव श्री सीएस राजन उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि रिसर्जेंट राजस्थान पार्टनरशिप समिट 2015 से पहले पेट्रोलियम क्षेत्र में इन एमओयू पर हस्ताक्षर होना एक बड़ी शुरुआत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास में भागीदारी करने वाले निवेशकों को राज्य सरकार हर संभव सहायता देगी। ये एमओयू सिटी गैस वितरण, पाइपलाइन नेटवर्क, एक्सप्लोरेशन टर्मिनल्स और उत्पादन में सुगमता लाएंगे।

श्रीमती राजे ने कहा कि राज्य सरकार रिफाइनरी स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है, क्योंकि यहां पर दोहन किये जा रहे कच्चे तेल का बिना किसी मूल्यवर्धन के निर्यात किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आवश्यक होगा तो इन्सेन्टिव्स भी दिये जायेंगे और इस माह के अंत तक रिफाइनरी परियोजना की समीक्षा रिपोर्ट केन्द्र सरकार को प्रस्तुत की जायेगी। उन्होंने कहा कि पेट्रोलियम और उसके उत्पाद अर्थव्यवस्था के लिये 'फ्यूल' है और ये समृद्धि के प्रतीक हैं।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि पेट्रोलियम कम्पनियों के साथ हुए इन 9 एमओयू से राजस्थान में तेल और गैस की खोज के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में आसानी होगी।

उल्लेखनीय है कि इन एमओयू की निवेश योजना को तीन वर्ष की अवधि वर्ष 2015 से 2018 के दौरान लागू किया जाएगा।

किस कम्पनी के साथ कौनसा एमओयू

1. केयर्न इंडिया लिमिटेड, गुड़गांव द्वारा ब्लॉक आरजे–ओएन–90/1 में अन्वेषण एवं उत्पादन (ई एंड पी) के लिए 12,500 करोड़ रुपये का एमओयू।

2. जीएसपीएल गेसनेट इंडिया लिमिटेड द्वारा मेहसाणा–भटिण्डा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन में राजस्थान के हिस्से के लिए 5,000 करोड़ रुपये का एमओयू (राजस्थान में यह हिस्सा भीलवाड़ा से गुजरेगा)।
3. फोकस एनर्जी लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा ब्लॉक आरजे–ओएन–6 में अन्वेषण एवं उत्पादन के लिए 3,730 करोड़ रुपये का एमओयू।
4. गेल (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा सीएनजी, सीजीडी परियोजना और पीईएल ब्लॉक के लिए 3,000 करोड़ रुपये का एमओयू।
5. राजस्थान स्टेट गैस लिमिटेड द्वारा गैस और पाइपलाइन इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए सीएनजी और सीजीडी नेटवर्क पर 2,700 करोड़ रुपये का एमओयू।
6. आईओसीएल, नई दिल्ली द्वारा सीजीडी परियोजना और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क पर 2,300 करोड़ रुपये का एमओयू।
7. ओएनजीसी, राजस्थान परियोजना, जोधपुर द्वारा ई एण्ड पी गतिविधियों पर 500 करोड़ रुपये का एमओयू।
8. ओआईएल, राजस्थान परियोजना, जोधपुर ई एण्ड पी गतिविधियों पर 500 करोड़ रुपये का एमओयू।
9. दीप इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, अहमदाबाद द्वारा जैसलमेर जिले के तीन तटवर्ती सीमांत क्षेत्रों घोटारू, बांकिया एवं खरतार के विकास के लिए 300 करोड़ रुपये का एमओयू।

———